www.PapaCambridge.com

UNIVERSITY OF CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS
General Certificate of Education Advanced Subsidiary Level and Advanced Level

HINDI | **8675/04**
9687/04

Paper 4 Texts | **October/November 2008**

2 hours 30 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

8373300700

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.

Answer any **three** questions, each on a different text. You must choose one from Section 1, one from Section 2 and one other.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
Dictionaries are **not** permitted.
You may **not** take set texts into the examination.
You should write between 500 and 600 words for each answer.
You are advised to divide your time equally between your answers.
At the end of the examination, fasten all your work securely together.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

उत्तर लिखने के पहले इन निर्देशों को पढ़िए:

उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखे निर्देशों का अनुसरण कीजिए ।
अपना नाम, केन्द्र-संख्या और छात्र-संख्या अपनी उत्तर-पुस्तिका के हर पृष्ठ पर लिखिए ।
लिखने के लिए केवल गहरे नीले या काले रंग की कलम का ही प्रयोग कीजिए ।
स्टेप्लर, पेपर-क्लिप, हाईलाइटर, गोंद और करेक्शन फ्लूइड का प्रयोग न करें ।
किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए, तीनों प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य पुस्तकों से चुने जाने चाहिए। भाग 1 से एक प्रश्न, भाग 2 से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। तीसरा प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है ।
अपने उत्तर, दिए गए परीक्षा पत्रों पर **हिन्दी** में ही लिखिए। आप जिन प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं उन प्रश्नों का नम्बर हाशिए में लिखना अनिवार्य है ।
शब्द-कोष का प्रयोग मना है ।
आप परीक्षा में पाठ्य-पुस्तकों को नहीं ले जा सकते हैं ।
आपके उत्तर 500 से 600 शब्दों के बीच में लिखे होने चाहिए ।
आपको परामर्श दिया जाता है कि आप हर उत्तर के लिए बराबर-बराबर समय दें ।
यदि आप एक से अधिक पृष्ठों का प्रयोग करते हैं तो उन्हें धागे से एक साथ बाँध दें ।
हर प्रश्न के अन्त में कोष्ठक [ ] के अन्दर उस प्रश्न के अधिकतम अंक लिखे हुए हैं ।

This document consists of **5** printed pages and **3** blank pages.

SP (CW/TL) T56482/4
© UCLES 2008
UNIVERSITY of CAMBRIDGE International Examinations

[Turn over

www.PapaCambridge.com

भाग 1

1 **तुलसी दास** - श्रीरामचरितमानस

प्रश्न 'क' और 'ख' में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का ही उत्तर दीजिए ।

(क) निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ सन्दर्भ सहित लिखते हुए तुलसीदास जी की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए। [25]

दोहा०- काम क्रोध मद लोभ सब नाथ नरक के पंथ ।
सब परिहरि रघुबीरहि भजहु भजहिं जेहि संत ॥ ३८ ॥

तात राम नहिं नर भूपाला । भुवनेस्वर कालहु कर काला ॥
ब्रह्म अनामय अज भगवंता । ब्यापक अजित अनादि अनंता ॥ १ ॥
गो द्विज धेनु देव हितकारी । कृपा सिंधु मानुष तनु धारी ।
जन रंजन भंजन खल ब्राता । बेद धर्म रच्छक सुनु भ्राता ॥ २ ॥
ताहि बयरु तजि नाइअ माथा । प्रनतारति भंजन रघुनाथा ॥
देहु नाथ प्रभु कहुँ बैदेही । भजहु राम बिनु हेतु सनेही ॥ ३ ॥
सरन गएँ प्रभु ताहु न त्यागा । बिस्व द्रोह कृत अघ जेहि लागा ॥
जासु नाम त्रय ताप नसावन । सोइ प्रभु प्रगट समुझु जियँ रावन ॥ ४ ॥

दोहा०- बार बार पद लागउँ बिनय करउँ दससीस ।
परिहरि मान मोह मद भजहु कोसलाधीस ॥ ३९ ॥

-सुन्दर काण्ड-

या

(ख) 'सूरदास जी की अन्धी आँखो ने कृष्ण के मनोहारी स्वरूप का दर्शन किया ।' इस कथन का तात्पर्य सूरदास जी की निर्धारित कविताओं के माध्यम से समझाइए । [25]

www.PapaCambridge.com

2 **वाचस्पति पाठक** - प्रसाद, निराला, पन्त, महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ

प्रश्न 'क' और 'ख' में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का ही उत्तर दीजिए ।

(क) 'प्रकृति के साथ एकात्म भाव छायावादी कविता की एक प्रमुख विशेषता है ।' निम्न कविता का भावार्थ लिखते हुए इस कथन की पुष्टि कीजिए। [25]

मैं नीर-भरी दुख की बदली !

स्पन्दन में चिर निस्पन्द बसा
क्रन्दन में आहत विश्व हँसा
नयनों में दीपक से जलते ,
पलकों में निर्झरिणी मचली !

मेरा पग-पग संगीत भरा
श्वासों से स्वप्न-पराग झरा
नभ के नव रंग बुनते दुकूल
छाया में मलय-बयार पली ।

मैं क्षितिज-भृकुटि पर घिर धूमिल
चिन्ता का भार बनी अविरल
रज़-कण पर जल-कण हो बरसी,
नव जीवन-अंकुर बन निकली !

पथ को न मलिन करता आना
पथ-चिन्ह न दे जाता जाना ;
सुधि मेरे आगम की जग में
सुख की सिहरन हो अन्त खिली !

विस्तृत नभ का कोई कोना
मेरा न कभी अपना होना ,
परिचय इतना, इतिहास यही -
उमड़ी कल थी, मिट आज चली !

-महादेवी वर्मा-

या

(ख) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की दो कविताएँ 'ध्वनि' और 'गहन है यह अंधकारा' उनके हृदय की किन दो विपरीत भावनाओं का चित्रण करती हैं ? इस प्रश्न का उत्तर देते हुए दोनों कविताओं की विवेचना विस्तार पूर्वक कीजिए । [25]

www.PapaCambridge.com

3 **मैथिलीशरण गुप्त - 'भारत भारती'**

प्रश्न 'क' और 'ख' में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का ही उत्तर दीजिए ।

(क) (i) निम्नलिखित काव्यांश का भावार्थ संदर्भ सहित लिखिए ।
(ii) इस कविता की भाषा पर टिप्पणीं कीजिए। [25]

"कुल जाति-पाँति न चाहिए, यह सब रहे या जाय रे,
बस एक मुट्ठी अन्न हमको चाहिए अब हाय रे !
इस पेट पापी के लिए हम विधर्मी बन रहे,
निज धर्म्म-मानस से निकल अघ पंक में हैं सन रहे ।।२४।।

जिन दूर देशों में हमारे धर्म्म के झण्डे उड़ें-
आकर स्वयं जिनके तले दिन दिन वहाँ के जन जुड़ें,
तजना पड़े हमको वहीं के धर्म्म पर निज धर्म्म को !
हा ! हा ! बुभुक्षा राक्षसी क्या देखती दुष्कर्म को ! ।।२५।।

हे धर्म्म और स्वदेश ! तुमको बार बार प्रणाम है !
हा ! हम अभागों का हुआ क्या आज यह परिणाम है !
हमको क्षमा करियो , क्षुधा-वश हम तुम्हे हैं खो रहे,
हो कर विधर्म्मी हाय ! अब हम हैं विदेशी हो रहें ।। २६।।

वर्तमान खण्ड -दुर्भिक्ष-

या

(ख) भारत-भारती में संकलित वर्तमान खण्ड की कविता 'शिक्षा की अवस्था' और भविष्यत् खण्ड की कविता 'शिक्षा', की तुलनात्मक विवेचना करते हुए लिखिए कि मैथिलीशरण गुप्त जी शिक्षा के बारे में क्या विचार रखते हैं। [25]

भाग 2

निम्नलिखित प्रश्नों में से केवल एक प्रश्न के 'क' या 'ख' भाग का उत्तर दीजिए ।

4 **प्रेमचन्द - 'प्रतिज्ञा'**

(क) 'प्रतिज्ञा' उपन्यास में दाननाथ के विचारों में कई बार परिवर्तन हुआ है । दाननाथ का चरित्र चित्रण करते हुए बताइए इस परिवर्तन में किन लोगों और किन परिस्थितियों का हाथ है ?

या

(ख) 'प्रतिज्ञा' उपन्यास के आधार पर प्रेमचन्द जी की नारी-भावना पर प्रकाश डालिए। [25]

5 **जैनेन्द्र कुमार - '२३ हिन्दी कहानियाँ'**

(क) भगवतीचरण वर्मा जी की कहानी 'इन्स्टालमेन्ट' के मुख्य पात्र चौधरी विश्वम्भर सहाय का चरित्र चित्रण कीजिए ।

या

(ख) "जैसे उन्होंने खण्ड को कुल में देख लिया।" जैनेन्द्रकुमार की कहानी 'तत्सत्' में लिखित इस कथन में कहानी का सार छिपा है । समझा कर लिखिए । [25]

6 **अभिमन्यु अनत - 'मॉरिशसीय हिन्दी कहानियाँ'**

(क) जय जीऊत की कहानी 'चाहे-अनचाहे' के शीर्षक की सार्थकता पर अपना मत प्रकट करते हुए कहानी की मूल भावना की व्याख्या कीजिए।

या

(ख) आलोचक नामवरसिंह के अनुसार 'कहानी एक एकाकी चीख है ।' महेश रामजियावन की कहानी 'चक्कर' के माध्यम से इस कथन का अनुमोदन कीजिए। [25]

www.PapaCambridge.com

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

University of Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of